पंजाब केसरी
TUE,14 JULY 2026
EDITION: HIMACHAL , PAGE NO. 5

बोर्ड परीक्षाओं का संचालन पूर्ण पारदर्शिता और समयबद्धता के साथ हो : डॉ.राजेश

■ शिक्षा बोर्ड मुख्यालय में आगामी सत्र की परीक्षाओं को लेकर अहम बैठक

धर्मशाला : बोर्ड परीक्षाओं से लेकर शिक्षक पात्रता परीक्षा तक सभी कार्यप्रणालियों को अचूक और पारदर्शी बनाने के लिए अधिकारियों संग बैठक करते बोर्ड अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा। (ब्यूरो)

धर्मशाला, 13 जुलाई (सुनील): हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड धर्मशाला ने आगामी शैक्षणिक सत्र 2026-27 की परीक्षाओं को लेकर तैयारियां तेज कर दी हैं। बोर्ड परीक्षाओं से लेकर शिक्षक पात्रता परीक्षा (टैट) और डी.एल.एड. तक की सभी कार्यप्रणालियों को अचूक और पारदर्शी बनाने के लिए बोर्ड मुख्यालय में एक अहम बैठक का आयोजन किया गया।

इस उच्च स्तरीय मंथन बैठक की अध्यक्षता स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने की। बैठक में बोर्ड के सचिव, अतिरिक्त सचिव और सभी उप सचिव विशेष रूप से शामिल हुए।

बोर्ड अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने शाखावार कार्यों की गहन समीक्षा की और अधिकारियों को उनके दायित्वों का बोध करवाया। उन्होंने स्पष्ट किया कि परीक्षाओं का संचालन पूर्ण पारदर्शिता और समयबद्धता के साथ होना चाहिए और किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी अधिकारियों को आपसी समन्वय स्थापित करते हुए निर्धारित लक्ष्यों को तय समय सीमा के भीतर पूरा करने के सख्त निर्देश दिए गए हैं। इस दौरान परीक्षा प्रबंधन, प्रश्नपत्रों की कड़ी गोपनीयता, आधुनिक तकनीकी व्यवस्थाओं और समय पर परिणाम घोषित करने जैसे संवेदनशील विषयों का ब्लूप्रिंट तैयार किया गया।

> यदि सभी अधिकारी जिम्मेदारी से अपने कर्तव्यों का निर्वहन करेंगे, तो इससे प्रदेश भर में बोर्ड की प्रतिष्ठा और विश्वसनीयता और अधिक मजबूत होगी।
>
> –डॉ. राजेश शर्मा, अध्यक्ष, हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड।

दैनिक सवेरा टाइम्स
अंधेरे से उजाले की ओर...

आगामी परीक्षाओं में पारदर्शिता और गुणवत्ता पर शिक्षा बोर्ड का जोर

बोर्ड अध्यक्ष डा. राजेश शर्मा ने अधिकारियों को दिए समयबद्ध और पारदर्शी कार्यप्रणाली के निर्देश

सवेरा न्यूज/रविंद्र वासन

धर्मशाला, 13 जुलाई : हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड (एचपीबीओएसई) ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 की तैयारियां तेज कर दी हैं। बोर्ड अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने सोमवार को वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर आगामी बोर्ड परीक्षाओं, शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) तथा डीएलएड से संबंधित व्यवस्थाओं की समीक्षा की।

बैठक में बोर्ड सचिव, अतिरिक्त सचिव एवं सभी उप सचिव

बैठक में बोर्ड सचिव, अतिरिक्त सचिव एवं उप सचिवों ने भाग लिया। डॉ. शर्मा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी परीक्षाएं पूर्ण पारदर्शिता, गोपनीयता और समयबद्धता के साथ संपन्न करवाई जाएं। उन्होंने कहा कि किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी और सभी शाखाएं आपसी समन्वय के साथ कार्य करें। बैठक में टीईटी, डीएलएड प्रवेश परीक्षा, नियमित परीक्षाओं, प्रश्नपत्रों की सुरक्षा, तकनीकी व्यवस्थाओं तथा समय पर परीक्षा परिणाम घोषित करने को लेकर भी विस्तृत चर्चा की गई। डॉ. शर्मा ने कहा कि बोर्ड का उद्देश्य विद्यार्थियों को पारदर्शी, निष्पक्ष और सुगम परीक्षा व्यवस्था उपलब्ध कराना है।

उन्होंने अधिकारियों से टीम भावना के साथ कार्य करने का आह्वान करते हुए विश्वास जताया कि बेहतर समन्वय और जिम्मेदारीपूर्ण कार्यशैली से शिक्षा बोर्ड की कार्यप्रणाली और विश्वसनीयता और अधिक मजबूत होगी।

Dainik Jagran 14-07-2026

बोर्ड परीक्षा में पारदर्शिता होगी सुनिश्चित : डा. राजेश

धर्मशाला : हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड ने आगामी शैक्षणिक सत्र 2026-27 की तैयारियों को तेज कर दिया है। बोर्ड अध्यक्ष डा. राजेश शर्मा ने अधिकारियों के साथ बैठक में परीक्षा प्रक्रिया की पारदर्शिता और गुणवत्ता बनाए रखने के लिए सख्त निर्देश दिए। बैठक में सचिव, अतिरिक्त सचिव और सभी उप सचिवों ने हिस्सा लिया। डा. शर्मा ने कहा कि बोर्ड की प्रत्येक गतिविधि में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित की जानी चाहिए। किसी भी

राजेश शर्मा • जागरण आर्काइव

स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। बैठक में बोर्ड परीक्षाओं, शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीइटी), डीएलएड प्रवेश परीक्षा और नियमित परीक्षाओं पर चर्चा की गई। परीक्षा प्रबंधन, प्रश्नपत्रों की गोपनीयता और समय पर परिणाम घोषित करने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर मंथन किया गया। डा. शर्मा ने अधिकारियों से टीम भावना के साथ कार्य करने का आह्वान किया।

Divya Himachal 14-07-2026

टेट-डीएलएड परीक्षाओं की योजना तैयार

शिक्षा बोर्ड ने सभी शाखाओं को कार्य पूरा करने के दिए निर्देश

नगर संवाददाता – धर्मशाला

प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 की परीक्षाओं और अन्य परीक्षा संबंधी गतिविधियों की तैयारियां शुरू कर दी हैं। इस संबंध में बोर्ड अध्यक्ष डा. राजेश शर्मा ने बोर्ड मुख्यालय में सचिव, अतिरिक्त सचिव तथा सभी उप सचिवों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में आगामी बोर्ड परीक्षाओं, शिक्षक पात्रता परीक्षा (टेट), डीएलएड प्रवेश परीक्षा और डीएलएड की नियमित परीक्षाओं के संचालन को पारदर्शी, समयबद्ध और व्यवस्थित बनाने पर चर्चा की गई। बैठक में बोर्ड अध्यक्ष ने विभिन्न शाखाओं के कार्यों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्धारित समय सीमा के भीतर सभी जिम्मेदारियां पूरी करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि परीक्षा संचालन की पूरी प्रक्रिया में पारदर्शिता, गुणवत्ता और जवाबदेही सुनिश्चित की जाए तथा सभी अधिकारी आपसी समन्वय के साथ कार्य करें। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि परीक्षा प्रबंधन में किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। बैठक में परीक्षा प्रबंधन, प्रश्नपत्रों की गोपनीयता, तकनीकी व्यवस्थाओं को सुदृढ़ करने तथा समय पर परिणाम घोषित करने जैसे विषयों पर भी विस्तार से चर्चा हुई। बोर्ड का उद्देश्य परीक्षा से परिणाम तक की पूरी प्रक्रिया को सुव्यवस्थित बनाना और अभ्यर्थियों को किसी प्रकार की अनावश्यक परेशानी से बचाना है। डा. राजेश शर्मा ने अधिकारियों से टीम भावना के साथ कार्य करने पर जोर देते हुए कहा कि सभी शाखाएं समन्वय के साथ अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करें, ताकि आगामी सत्र की सभी परीक्षाएं निर्धारित मानकों के अनुरूप सफलतापूर्वक संपन्न कराई जा सकें।

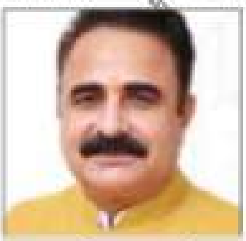

राजेश शर्मा

- बोर्ड अध्यक्ष ने सचिव, उप सचिवों से की समीक्षा बैठक

Amar Ujala 14-07-2026

सातवीं से 10वीं कक्षा तक बदलेगा सिलेबस

एनसीईआरटी के पाठ्यक्रम की शिक्षा बोर्ड के स्कूलों में होगी पढ़ाई

धर्मशाला। स्कूल शिक्षा बोर्ड शैक्षणिक सत्र 2027-28 से सातवीं से दसवीं कक्षा तक के पाठ्यक्रम में बदलाव करने जा रहा है। नई शिक्षा नीति के अनुरूप इन कक्षाओं में एनसीईआरटी आधारित सिलेबस लागू किया जाएगा।

बोर्ड का उद्देश्य विद्यार्थियों को राष्ट्रीय स्तर के समान शैक्षणिक ढांचे से जोड़ना और प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए बेहतर तरीके से तैयार करना है। बोर्ड इससे पहले चौथी से छठी कक्षाओं के पाठ्यक्रम में बदलाव कर चुका है। अब माध्यमिक कक्षाओं में भी नया पाठ्यक्रम लागू किया जाएगा। नए पाठ्यक्रम में एनसीईआरटी पैटर्न पर पढ़ाई करवाई जाएगी।

नए पाठ्यक्रम में रटने की प्रवृत्ति को कम कर अवधारणात्मक समझ, कौशल आधारित शिक्षा, गतिविधि आधारित शिक्षण और व्यावहारिक ज्ञान पर विशेष जोर दिया जाएगा। बोर्ड का मानना है कि इससे विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा और राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगी परीक्षाओं में बेहतर प्रदर्शन करने में मदद मिलेगी। शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने बताया कि अगले शैक्षणिक सत्र में सातवीं से लेकर 10वीं कक्षा तक का सिलेबस बदला जाएगा। ब्यूरो

Apka Faisla 14-07-2026

आगामी सत्र की परीक्षाओं में पूर्ण पारदर्शिता और गुणवत्ता का पूरा ध्यान रखा जाए

धर्मशाला, (आपका फैसला)। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड धर्मशाला ने आगामी शैक्षणिक सत्र 2026-27 की तैयारियों का शंखनाद कर दिया है। बोर्ड परीक्षाओं से लेकर शिक्षक पात्रता परीक्षा तक, सभी कार्यप्रणालियों को अचूक और पारदर्शी बनाने के लिए बोर्ड अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने शीर्ष अधिकारियों के साथ एक अहम बैठक की। इस उच्च स्तरीय मंथन में 'विद्यार्थी हित सर्वोपरि' के मूल मंत्र

बोर्ड अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने शीर्ष अधिकारियों के साथ एक अहम बैठक

के साथ परीक्षा प्रबंधन में गुणवत्ता और जवाबदेही सुनिश्चित करने का कड़ा संदेश दिया गया। शिक्षा बोर्ड मुख्यालय में आयोजित इस बैठक में बोर्ड के सचिव, अतिरिक्त सचिव और सभी उप सचिव शामिल हुए। बैठक की अध्यक्षता करते हुए डॉ. राजेश शर्मा ने शाखावार कार्यों की गहन समीक्षा की और अधिकारियों को उनके दायित्वों का बोध कराया। उन्होंने स्पष्ट किया कि बोर्ड की हर गतिविधि और परीक्षाओं का

संचालन पूर्ण पारदर्शिता और समयबद्धता के साथ होना चाहिए। किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी अधिकारियों को आपसी समन्वय स्थापित करते हुए निर्धारित लक्ष्यों को तय समय सीमा के भीतर पूरा करने के सख्त निर्देश दिए गए हैं। आगामी सत्र केवल बोर्ड परीक्षाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि शिक्षक पात्रता परीक्षा, डी.एल.एड. प्रवेश परीक्षा और डी.एल.एड. की नियमित परीक्षाओं को लेकर भी बैठक में व्यापक चर्चा हुई। इस दौरान परीक्षा प्रबंधन, प्रश्नपत्रों की कड़ी गोपनीयता, आधुनिक तकनीकी व्यवस्थाओं और समय पर परिणाम घोषित करने जैसे संवेदनशील और महत्वपूर्ण विषयों का ब्लू-प्रिंट तैयार किया गया। बोर्ड का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि परीक्षा से लेकर परिणाम तक की पूरी प्रक्रिया में विद्यार्थियों को किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। बोर्ड अध्यक्ष डॉ. शर्मा ने अधिकारियों का मार्गदर्शन करते हुए कहा कि एक आदर्श और विद्यार्थी-केंद्रित व्यवस्था बनाने के लिए टीम भावना के साथ काम करना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने हर अधिकारी से बोर्ड की गतिविधियों के सफल संचालन में सक्रिय और सकारात्मक भूमिका निभाने का आह्वान किया। अध्यक्ष ने विश्वास जताया कि यदि सभी अधिकारी पूर्ण निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करेंगे, तो इससे न केवल कार्यप्रणाली अधिक प्रभावी होगी, बल्कि प्रदेश भर में हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड की प्रतिष्ठा और विश्वसनीयता भी नई ऊंचाइयों को छुएगी।

विद्यार्थी हित सर्वोपरि

हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड ने कसी कमर, आगामी सत्र की परीक्षाओं में पूर्ण पारदर्शिता और गुणवत्ता के सख्त निर्देश

बोर्ड अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने शीर्ष अधिकारियों के साथ एक अहम बैठक

पहली नजर ब्यूरो, धर्मशाला

हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड धर्मशाला ने आगामी शैक्षणिक सत्र 2026-27 की तैयारियों का शंखनाद कर दिया है। बोर्ड परीक्षाओं से लेकर शिक्षक पात्रता परीक्षा (TET) तक, सभी कार्यप्रणालियों को अचूक और पारदर्शी बनाने के लिए बोर्ड अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने शीर्ष अधिकारियों के साथ एक अहम बैठक की। इस उच्च स्तरीय मंथन में 'विद्यार्थी हित सर्वोपरि' के मूल मंत्र के साथ परीक्षा प्रबंधन में गुणवत्ता और जवाबदेही सुनिश्चित करने का कड़ा संदेश दिया गया। समयबद्धता और जवाबदेही पर विशेष फोकस शिक्षा बोर्ड मुख्यालय में आयोजित इस बैठक में बोर्ड के सचिव, अतिरिक्त सचिव और सभी उप सचिव शामिल हुए।

बैठक की अध्यक्षता करते हुए डॉ. राजेश शर्मा ने शाखावार कार्यों की गहन समीक्षा की और अधिकारियों को उनके दायित्वों का बोध कराया। उन्होंने स्पष्ट किया कि बोर्ड की हर गतिविधि और परीक्षाओं का संचालन पूर्ण पारदर्शिता और समयबद्धता के साथ होना चाहिए। किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी अधिकारियों को आपसी समन्वय स्थापित करते हुए निर्धारित लक्ष्यों को तय समय सीमा के भीतर पूरा करने के सख्त निर्देश दिए गए हैं।

टीईटी, डी.एल.एड. सहित सभी परीक्षाओं का फुलप्रूफ प्लान तैयार

आगामी सत्र केवल बोर्ड परीक्षाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि शिक्षक पात्रता परीक्षा (TET), डी.एल.एड. प्रवेश परीक्षा और डी.एल.एड की नियमित परीक्षाओं को लेकर भी बैठक में व्यापक चर्चा हुई। इस दौरान परीक्षा प्रबंधन, प्रश्नपत्रों की कड़ी गोपनीयता, आधुनिक तकनीकी व्यवस्थाओं और समय पर परिणाम घोषित करने जैसे संवेदनशील और महत्वपूर्ण विषयों का ब्लू-प्रिंट तैयार किया गया। बोर्ड का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि परीक्षा से लेकर परिणाम तक की पूरी प्रक्रिया में विद्यार्थियों को किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

'टीम वर्क' से सुदृढ़ होगी शिक्षा बोर्ड की प्रतिष्ठा

बोर्ड अध्यक्ष डॉ. शर्मा ने अधिकारियों का मार्गदर्शन करते हुए कहा कि एक आदर्श और विद्यार्थी-केंद्रित व्यवस्था बनाने के लिए 'टीम भावना' के साथ काम करना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने हर अधिकारी से बोर्ड की गतिविधियों के सफल संचालन में सक्रिय और सकारात्मक भूमिका निभाने का आह्वान किया।

नई ऊंचाइयों को छुएगा स्कूल शिक्षा बोर्ड

डॉक्टर राजेश शर्मा ने विश्वास जताया कि यदि सभी अधिकारी पूर्ण निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करेंगे, तो इससे न केवल कार्यप्रणाली अधिक प्रभावी होगी, बल्कि प्रदेश भर में हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड की प्रतिष्ठा और विश्वसनीयता भी नई ऊंचाइयों को छुएगी।

विद्यार्थी हित सर्वोपरि: HPBOSE ने कसी कमर, आगामी सत्र की परीक्षाओं में पूर्ण पारदर्शिता और गुणवत्ता के सख्त निर्देश

दैनिक आमोकार्स: धर्मशाला/राकेश कुमार

हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड (HPBOSE) धर्मशाला ने आगामी शैक्षणिक सत्र 2026-27 की तैयारियों का शंखनाद कर दिया है। बोर्ड परीक्षाओं से लेकर शिक्षक पात्रता परीक्षा (TET) तक, सभी कार्यप्रणालियों को अचूक और पारदर्शी बनाने के लिए बोर्ड अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने शीर्ष अधिकारियों के साथ एक अहम बैठक की। इस उच्च स्तरीय मंथन में 'विद्यार्थी हित सर्वोपरि' के मूल मंत्र के साथ परीक्षा प्रबंधन में गुणवत्ता और जवाबदेही सुनिश्चित करने का कड़ा संदेश दिया गया। उन्होंने स्पष्ट किया कि बोर्ड की हर गतिविधि और परीक्षाओं का संचालन पूर्ण पारदर्शिता और समयबद्धता के साथ होना चाहिए। किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी अधिकारियों को आपसी समन्वय स्थापित करते हुए निर्धारित लक्ष्यों को तय समय सीमा के भीतर पूरा करने के सख्त निर्देश दिए गए हैं।

टीईटी, डी.एल.एड. सहित सभी परीक्षाओं का फुलप्रूफ प्लान तैयार

आगामी सत्र केवल बोर्ड परीक्षाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि शिक्षक पात्रता परीक्षा (TET), डी.एल.एड. प्रवेश परीक्षा और डी.एल.एड. की नियमित परीक्षाओं को लेकर भी बैठक में व्यापक चर्चा हुई। इस दौरान परीक्षा प्रबंधन, प्रश्नपत्रों की कड़ी गोपनीयता, आधुनिक तकनीकी व्यवस्थाओं और समय पर परिणाम घोषित करने जैसे संवेदनशील और महत्वपूर्ण विषयों का ब्लू-प्रिंट तैयार किया गया। बोर्ड का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि परीक्षा से लेकर परिणाम तक की पूरी प्रक्रिया

में विद्यार्थियों को किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। बोर्ड अध्यक्ष डॉ. शर्मा ने अधिकारियों का मार्गदर्शन करते हुए कहा कि एक आदर्श और विद्यार्थी-केंद्रित व्यवस्था बनाने के लिए टीम भावना के साथ काम करना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने हर अधिकारी से बोर्ड की गतिविधियों के सफल संचालन में सक्रिय और सकारात्मक भूमिका निभाने का आह्वान किया। डॉ. शर्मा ने कड़े शब्दों में कहा, "शिक्षा बोर्ड प्रदेश के लाखों युवाओं के भविष्य का संरक्षक है। परीक्षाओं की गोपनीयता और समयबद्धता से किसी भी प्रकार का समझौता बोर्ड की साख पर सवाल खड़े करता है।" उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पूर्व के अनुभवों से सीख लेते हुए इस बार परीक्षा प्रबंधन को पूरी तरह 'फुलप्रूफ' बनाया जाए। बोर्ड अब तकनीकी विंग को और मजबूत करने जा रहा है और पुनर्मूल्यांकन के आवेदनों को डिजिटाइज कर सकें।

"शिक्षा के क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव हेतु मीडिया की भूमिका महत्वपूर्ण : डॉ. राजेश शर्मा"

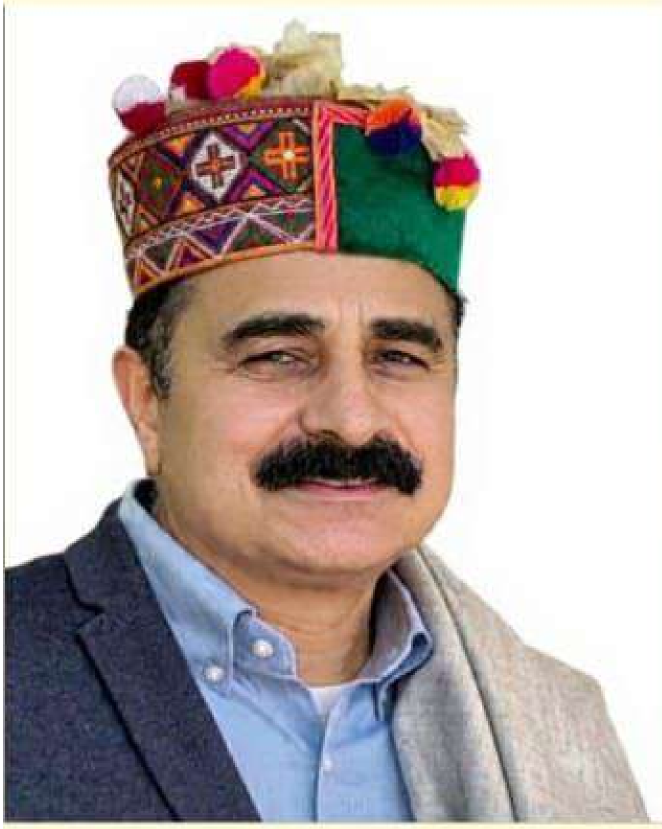

दैनिक जागो वर्ल्ड ! धर्मशाला/ राकेश कुमार

हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड (HPBOSE), धर्मशाला के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने मीडिया प्रतिनिधियों के साथ एक सार्थक बैठक की। बैठक के दौरान शिक्षा के क्षेत्र में हो रहे नवीन प्रयासों, विद्यार्थियों के हित में बोर्ड द्वारा लागू किए जा रहे सुधारात्मक कदमों तथा शिक्षा बोर्ड की कार्यप्रणाली को अधिक पारदर्शी, प्रभावी एवं तकनीक-सक्षम बनाने के लिए किए जा रहे विभिन्न प्रयासों पर विस्तृत चर्चा की गई। इस अवसर पर डॉ. शर्मा ने कहा कि मीडिया शिक्षा क्षेत्र का एक महत्वपूर्ण भागीदार है। मीडिया प्रतिनिधि शिक्षा से जुड़े प्रत्येक पहलू से भली-भांति परिचित होते हैं तथा उन्हें प्रदेशभर की शैक्षणिक गतिविधियों, चुनौतियों एवं आवश्यकताओं की निरंतर जानकारी प्राप्त होती रहती है। उन्होंने कहा कि मीडिया का व्यापक अनुभव एवं शिक्षा क्षेत्र की गहन समझ विद्यार्थियों के हित में उपयोगी सुझाव प्रदान करने तथा शिक्षा बोर्ड को दूरदर्शी एवं जनकल्याणकारी निर्णय लेने में महत्वपूर्ण सहयोग दे सकती है। बैठक के दौरान मीडिया प्रतिनिधियों ने शिक्षा व्यवस्था, परीक्षा प्रणाली, विद्यार्थियों की सुविधाओं तथा बोर्ड की विभिन्न पहलों से संबंधित अपने बहु-मूल्य सुझाव साझा किए। डॉ. शर्मा ने सभी सुझावों का स्वागत करते हुए कहा कि शिक्षा बोर्ड रचनात्मक सुझावों को सदैव सकारात्मक दृष्टिकोण से ग्रहण करता है तथा विद्यार्थियों के हित में उन्हें लागू करने का निरंतर प्रयास करता है।बोर्ड अध्यक्ष ने कहा कि शिक्षा बोर्ड एवं मीडिया के बीच निरंतर संवाद से शिक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़, पारदर्शी एवं उत्तरदायी बनाया जा सकता है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि भविष्य में भी मीडिया का सहयोग विद्यार्थियों के हितों की रक्षा तथा शिक्षा व्यवस्था में गुणवत्तापूर्ण सुधार लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

JULY 14, 2026 TUESDAY DHARAMSHALA

The Sunny Times

HPBOSE UNVEILS FOOLPROOF BLUEPRINT FOR BOARD AND TET EXAMS

Sunny Mahajan | Dharamshala

The Himachal Pradesh Board of School Education (HPBOSE) has officially sounded the battle cry for the 2026-27 academic session, rolling out an aggressive blueprint to overhaul its examination system. In a high-stakes meeting at the Dharamshala headquarters, Board Chairman Dr. Rajesh Sharma laid down the law to top officials, making one thing crystal clear: student welfare is the ultimate priority, and absolute transparency is non-negotiable.

Delivering a stern message on accountability, Dr. Sharma meticulously reviewed departmental operations alongside the board's secretaries and deputies. He left no room for ambiguity, warning that delays and administrative negligence will face zero tolerance. Officials have been handed strict mandates to collaborate seamlessly and hit their operational targets well within rigid deadlines, ensuring a flawless execution of all board activities.

The board's ambitious revamp extends far beyond standard school board exams. A comprehensive, foolproof strategy has been locked in for the upcoming Teacher Eligibility Test (TET) as well as the D.El.Ed. entrance and regular exams. The leadership brainstormed critical upgrades, focusing heavily on the airtight confidentiality of question papers, the integration of modern technology, and the rapid declaration of results to spare students any unnecessary anxiety.

To pull off this massive administrative undertaking, Dr. Sharma championed the power of unified teamwork. He urged his core staff to step up, take proactive ownership of their roles, and commit to a purely student-centric approach. By enforcing these uncompromising standards, the HPBOSE aims not just to streamline its massive exam machinery, but to dramatically elevate its reputation and cement public trust across the state.